CBSE Class 6 Social Science Important Questions History Chapter 10 इमारतें, चित्र तथा किताबें

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
प्राचीन भारत में किस किस्म का लोहा निर्मित किया जाता था?
उत्तर:
प्राचीन भारत में अत्यन्त विकसित किस्म के लोहे का निर्माण किया जाता था-खोया लोहा, पिटवां लोहा, ढलवां लोहा।

प्रश्न 2.
लौह स्तंभ कहाँ स्थित है?
उत्तर:
लौह स्तंभ महरौली (दिल्ली) में कुतुबमीनार के परिसर में स्थित है।

प्रश्न 3.
स्तूप का शाब्दिक अर्थ बताइये।
उत्तर:
स्तूप का शाब्दिक अर्थ है - टीला।

प्रश्न 4.
स्तूपों में क्या समानता होती है?
उत्तर:
प्रायः सभी स्तूपों के भीतर एक छोटा - सा डिब्बा रखा रहता है।

प्रश्न 5.
प्रदक्षिणा पथ किसे कहते हैं?
उत्तर:
प्रायः स्तूपों के चारों ओर परिक्रमा करने के लिए एक वृत्ताकार पथ बना होता था, जिसे प्रदक्षिणा पथ कहते हैं।

प्रश्न 6.
गुफाओं को किससे सजाया जाता था?
उत्तर:
गुफाओं को मूर्तियों तथा चित्रों द्वारा सजाया जाता था।

प्रश्न 7.
आरंभिक हिन्दु मन्दिरों में किन देवी - देवताओं की पूजा होती थी?
उत्तर:
आरंभिक हिन्दु मन्दिरों में विष्णु, शिव तथा दुर्गा जैसे देवी - देवताओं की पूजा होती थी।

प्रश्न 8.
गर्भगृह से आपका क्या आशय है?
उत्तर:
गर्भगृह मंदिरों का सबसे महत्वपूर्ण भाग होता है। इस स्थान पर मुख्य देवी या देवता की मूर्ति को रखा जाता है।

प्रश्न 9.
शिखर किसे कहते हैं?
उत्तर:
मंदिरों में गर्भगृह के ऊपर काफी ऊंचाई तक किए गए निर्माण को शिखर कहते हैं।

प्रश्न 10.
भितरगाँव का आरंभिक मन्दिर कब एवं किस प्रकार बनाया गया था?
उत्तर:
भितरगाँव का आरंभिक मन्दिर लगभग 1500 वर्ष पहले पक्की ईटों एवं पत्थरों से बनाया गया था।

प्रश्न 11.
महाबलिपुरम् के प्राचीन मन्दिरों को एकाश्म क्यों कहा गया है?
उत्तर:
महाबलिपुरम् के प्राचीन एकाश्मिक मन्दिर में प्रत्येक मन्दिर एक ही विशाल पहाड़ी को तराश कर बनाया गया है। अतः इन्हें एकाश्म कहा गया है।

प्रश्न 12.
ऐहोल का दुर्गा मन्दिर कितने वर्ष पहले बनाया गया था?
उत्तर:
ऐहोल का दुर्गा मन्दिर लगभग 1400 वर्ष पहले बनाया गया था।

प्रश्न 13.
स्तूप तथा मन्दिर सामान्यत: कौन बनवाया करते थे?
उत्तर:
स्तूप तथा मन्दिर सामान्यतः राजा या रानी बनवाया करते थे।

प्रश्न 14.
अजंता की गुफाओं के चित्रों के रंग किन चीजों से बनाये गये थे?
उत्तर:
ये रंग पौधों तथा खनिजों से बनाये गये थे।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 15.
तमिल महाकाव्य 'मणिमेखलाई' की रचना किसने की थी?
उत्तर:
तमिल महाकाव्य 'मणिमेखलाई' के रचयिता सत्तनार थे।

प्रश्न 16.
कालिदास की सबसे प्रसिद्ध रचना का नाम बताइये।
उत्तर:
कालिदास की सबसे प्रसिद्ध रचना का नाम 'मेघदूत' है।

प्रश्न 17.
दो संस्कृत महाकाव्यों के नाम बताइये।
उत्तर:

- महाभारत
- रामायण।

प्रश्न 18.
प्राचीनकाल में आम लोगों की कहानियाँ प्रायः किस रूप में होती थी?
उत्तर:
प्राचीनकाल में आम लोगों की कहानियाँ प्राय: जातक तथा पंचतंत्र की कहानियों के रूप में होती थीं।

प्रश्न 19.
जातक कथाएँ अक्सर किस रूप में दर्शायी जाती थी?
उत्तर:
जातक कथाएँ अक्सर स्तूपों की रेलिंग तथा अजंता के चित्रों में दर्शायी जाती थीं।

प्रश्न 20.
प्राचीन भारत के किन्हीं चार गणितज्ञ तथा खगोलवेत्ताओं के नाम बताइये।
उत्तर:

- आर्यभट्ट
- वराहमिहिर
- ब्रह्मगुप्त
- भास्कराचार्य।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
प्राचीन भारतीय धात विज्ञान के बारे में आप क्या जानते हैं? वर्णन कीजिये।
उत्तर:
प्राचीन भारतीय पातु विज्ञान बहुत उन्नत था। प्राचीन भारतीय धातु वैज्ञानिकों ने विश्व धातुविज्ञान के क्षेत्र में प्रमुख योगदान दिया है। हड़प्पावासी कुशल शिल्पी थे और उन्हें तांबे के धातुकर्म (धातुशोधन) की

जानकारी थी। उन्होंने तांबे और टिन को मिलाकर कांसा भी बनाया था। जहाँ हड़प्पावासी कांस्य युग से जुड़े थे वहीं उनके उत्तराधिकारी लौह युग से संबद्ध थे। भारत में अत्यंत विकसित किस्म के लोहे का निर्माण किया जाता था:

- खोय लोहा
- पिटवा लोहा
- दलवां लोहा।

प्रश्न 2.
महरौली स्थित लौह स्तंभ की प्रमुख विशेषताएँ बताइये।
उत्तर:
महरौली स्थित लौह स्तंभ की प्रमुख विशेषताएँ:

1. महरौली (दिल्ली) स्थित लौह स्तंभ भारतीय शिल्पकारों की कुशलता का एक अद्‌भुत उदाहरण है।
2. इसकी ऊँचाई 7.2 मीटर और वजन 3 टन से भी ज्यादा है।
3. इसका निर्माण लगभग 1500 साल पहले हुआ।
4. इसमें 'चन्द्र' नाम के एक शासक का जिक्र है जो संभवत: गुप्त वंश के थे।
5. इतने वर्षों के बाद भी इसमें जंग नहीं लगा है।

प्रश्न 3.
धातु - मंजूषा किसे कहते हैं? इसके भीतर क्या रखा रहता है?
उत्तर:
धातु - मंजूषा: प्राय: सभी स्तूपों के भीतर धातु का एक छोटा - सा डिब्या रखा रहता है, इसे धातु मंजूषा कहते है। धातु - मंजूषा के भीतर बुद्ध या उनके अनुयायियों के शरीर के अवशेष, यथा - दाँत, हड्डी या राख - अथवा उनके द्वारा प्रयुक्त कोई चीज या कोई कीमती पत्थर अथवा सिक्के रखे रहते है।

प्रश्न 4.
साँची के स्तूप के बारे में आप क्या जानते हैं?
उत्तर:
साँची का महान स्तूप वर्तमान मध्यप्रदेश में स्थित है। यह तत्कालीन वास्तुकला का एक उत्कृष्ट नमूना है। इस तरह के स्तूपों का निर्माण कई सौ सालों तक चलता रहा। इस स्तूप में ईंटों का प्रयोग संभवता: अशोक के जमाने का है, जबकि रेलिंग और प्रवेशद्वार बाद के शासकों के काल में जोड़े गए।

प्रश्न 5.
ईंटों से बनाये जाने वाले मन्दिरों तथा चट्टान तराश कर बनाये जाने वाले मन्दिरों में क्या मुख्य अन्तर हैं?
उत्तर:
ईटों से बनाये जाने वाले मन्दिरों में नीचे सेटों की एक-एक तह जोड़ते हुए उसे ऊपर की ओर ले जाते हैं, जबकि चट्टान तराश कर बनाए जाने वाले मंदिरों को पत्थर काटने वाले ऊपर से नीचे के क्रम में बनाते हैं।

प्रश्न 6.
अजंता की गुफाओं के चित्रों की प्रमुख विशेषताएँ बताइये।
उत्तर:
अजंता की गुफाओं के चित्रों की विशेषताएँ:

https://www.evidyarthi.in/

1. अजंता की गुफाओं के अंदर अंधेरा होने की वजह से, अधिकांश चित्र मशालों की रोशनी में बनाए गए थे।
2. इन चित्रों के रंग 1500 साल बाद भी चमकदार है।
3. ये रंग पौधों तथा खनिजों से बनाए गए थे।
4. इन महान कृतियों को बनाने वाले कलाकार अज्ञात हैं।

प्रश्न 7.
'महाभारत' महाकाव्य के बारे में आप क्या जानते हैं?
उत्तर:
'महाभारत' संस्कृत का एक लोकप्रिय महाकाव्य है। महाभारत कौरवों और पांडवों के बीच युद्ध की कहानी है। इस युद्ध का उद्देश्य पुरु-वंश की राजधानी हस्तिनापुर की गद्दी प्राप्त करना था। यह कहानी बहुत पुरानी है, लेकिन आज प्रचलित लिखित महाभारत लगभग 1500 साल पहले लिखी गई। माना जाता है कि महाभारत को व्यास नाम के ऋषि ने संकलित किया था। महाभारत में ही भगवद् गीता संकलित है।

प्रश्न 8.
रामायण के बारे में आप क्या जानते हैं? संक्षिप्त में बताइये।
उत्तर:
रामायण:

1. रामायण संस्कृत का एक लोकप्रिय महाकाव्य है।
2. वाल्मीकि इसके लेखक माने जाते हैं।
3. रामायण की कथा कोसल के राजकुमार राम के बारे में है। उनके पिता ने उन्हें वनवास दे दिया था। वन में उसकी पत्नी सीता का लंका के राजा रावण ने अपहरण कर लिया था। सीता को वापस पाने के लिए राम को लड़ाई लड़नी पड़ी। अन्त में वे विजयी होकर कोसल की राजधानी अयोध्या लौटे।
4. महाभारत की तरह ही रामायण भी एक प्राचीन कहानी है, जिसे बाद में लिखित रूप दिया गया।

प्रश्न 9.
गणित एवं विज्ञान के क्षेत्र में आर्यभट्ट के योगदान का वर्णन कीजिये।
उत्तर:
गणित एवं विज्ञान के क्षेत्र में आर्यभट्ट का योगदान:

1. आर्यभट्ट ने आर्यभट्टीवम नामक पुस्तक में लिखा कि दिन और रात पृथ्वी के अपनी धुरी पर चक्कर काटने की वजह से होते हैं, जबकि लगता है कि रोज सूर्य निकलता है और डूबता है।
2. उन्होंने ग्रहण के बारे में भी एक वैज्ञानिक तर्क दिया।
3. उन्होंने वृत्त की परिधि को मापने की भी विधि बतलायी, जो लगभग उत्तनी ही सही है, जितनी कि आज प्रयुक्त होने वाली विधि।

प्रश्न 10.
आयुर्वेद क्या है? दो प्रसिद्ध प्राचीन आयुर्वेद चिकित्सकों के बारे में बताइये।
उत्तर:
आयुर्वेद: आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान की एक विख्यात पद्धति है जो प्राचीन भारत में विकसित हुई। प्राचीन भारत में आयुर्वेद के दो प्रसिद्ध चिकित्सक थे:

1. चरक (प्रथम - द्वितीय शताब्दी ईस्वी): चरक द्वारा रचित चरकसंहिता औषधिशास्व की एक उल्लेखनीय पुस्तक आता सला है।
2. सुश्रुत (चौथी शताब्दी ईस्वी): अपनी रचना सुश्रुतसंहिता में सवत ने शल्य चिकित्सा की विधियों का विस्तृत वर्णन किया है।

https://www.evidyarthi.in/